





## सिटी ब्रीफ

अमृत विचार के संवाददाता को पितृ शोक

अमृत विचार, लखनऊ: अमृत विचार के संवाददाता को पितृ शोक अपूर्व पाण्डे के पिता विजय नारायण पाण्डे का विवाह की रात दिल का दीप हो गया। वह 75 वर्ष के थे। सोमवार को उनका अवृद्धीया में सरयू तर पर अंतिम संस्कार कर दिया गया। विजय नारायण पाण्डे अपने पौछे पनी संतोष पांडे, पुरु अभिनव कुमार पांडे, पुरी सुषमा पांडे, अदया पांडे और तृतीय अंसेट समेत भरपूर परिवार का एक अंतिम प्रकाश पांडे, दिलीप चंद्र पांडे, प्रदीप चंद्र पाण्डे, उमेश बद्र पाण्डे आदि मौजूद रहे।

## शब-ए-बरात तीन फरवरी को

अमृत विचार, लखनऊ: मरकजी शिया वांद कमेटी के अध्यक्ष मौलाना सेयद ईफ़ अब्दुल नाकवी ने बताया है, इसलिए 20 जनवरी 2026 को रबात 3 बजे 21 जनवरी 2026 को शावान की पहली होगी। उन्होंने बताया कि हजरत इमाम दुसरे का जन्म दिवस 23 जनवरी 2026 को होगा। उधर मरकजी वांद कमेटी महल के अध्यक्ष और कानी-प-शहीद मौलाना खालिद रशीद फिरंगी महली ने भी एलान किया है कि आज 29 रज्जू को शावान का वांद नहीं हुआ है इसलिए पहली शावान 21 जनवरी को होगी। उन्होंने बताया कि शेष बरात 3 फरवरी को मनाई जाएगी।

भाजपा महानगर अध्यक्ष ने भरवाए फॉर्में अमृत विचार, लखनऊ: महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने सोमवार को कैंप विधानसभा, मॉडल-3 के बाबू बनारसी दास वांद में एसआईआर अधियान के अंतर्गत छूट रहे मतदाताओं को जोड़के के लिए बृथ संख्या 286 पर घर-घर संपर्क किया और फॉर्म-6 भरवाए। अधियान में घनरथम अग्रवाल, वेंटर सिंह विष्ट, विनायक पांडे, अधिकारी खरे, मानस बाहरी, आशीष हितेशी, लत कुश निवेदी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे और आवश्यक दस्तावेजों के साथ फॉर्म भरे जाने में लोगों का सहयोग किया।

## खुरपका-मुंहपका टीकाकरण 22 से

अमृत विचार, लखनऊ: बड़े पशुओं को खुरपका-मुंहपका रोग से बचाने के लिए पशुशालन प्रभाग द्वारा 22 जनवरी से निशुल्क टीकाकरण अधियान चलेगा। रीटीओ डॉ. सुरेश कुमार ने बताया कि 45 दिवसीय अधियान में पशुओं के टीकाकरण करें। टीकाकरण विकासक, पशुजन प्रसार अधिकारी और एस्यूमी द्वारा निशुल्क किया जाएगा। पशुशालक पशुओं को इस गंभीर बीमारी से बचाने के लिए टीका जरूर लगावाएं।

## न्यूट्रिटिकाएं भी हुईं

अमृत विचार: पर्वतीय महापरिषद की ओर से गोमती तट स्थित पं. गोविन्द बल्लभ पंत पर्वतीय सांस्कृतिक उपवन में चल रहे उत्तरायणी कथांग के छठे दिन

समाज एवं संस्कृति सेवा के शानदार 25 साल, बैमिशाल पर आधारित वृत्तचित्र में शुरूआत हुई।

वृत्तचित्र में पर्वतीय महापरिषद की

स्थापना किन कारणों व उद्देशों के

लिए की गयी तथा स्थापना से अब

तक उसने किन-किन सामाजिक,

सांस्कृतिक उत्थान व राहत कार्यों

में लोगों का सहयोग किया।

न्यूट्रिटिकाएं भी हुईं

अमृत विचार: संजय नाटिकाओं की नव्य नाटिकाओं से आरम्भ होकर झोड़ा प्रतियोगिता तक निरन्तर चला, जिसमें विक्रांतों का डांगाल के निर्देशन में गोमती नगर, नदा रावत के जोहार मुनरायार सांस्कृतिक दल, देवती बोरो के विकास नगर, हेमा तिवारी के उत्तरांखण्ड जनकल्याण समिति प्रतियोगिता नगर, रंजनी सिंह के मानस योग केन्द्र शिवितनगर, हेमा देवी वाणी के देवभूमि जन सरोकार सांस्कृतिक संघर्षित लखनऊ के दलों ने झोड़ा नव्य प्रतियोगिता में भाग लिया। झोड़ा नव्य के बाद पांडी धुनों पर देवी दुमका प्रतियोगिता हुई। सारंगालीन योगों का मुख्य आकंधण आनंद कपकाटी के निर्देशन में लोक गाथा पर आधारित नव्य नाटिका रामी वाणी का मंचन रहा।

में अपनी भूमिका निभाई इसे दर्शाया

गया।

पर्वतीय महापरिषद ने सांस्कृतिक

कार्यकर्मों व अन्य प्रयासों से समाज

और सामाजिक संगठनों को एक सत्र

में पिरने का महत्वपूर्ण कार्य करने के

साथ ही समाज के निर्बल परिवारों

के सहातार्थ प्रेरणाप्रद कार्य, देश

में अपनी भूमिका निभाई इसे दर्शाया

गया।

पर्वतीय महापरिषद की तात्पर्य

के लिए वर्तमान अवसर के लिए

वृत्तचित्र में दिखा उत्तरायणी की

कौशिकी की विविधता और अन्य

विविधता ने उत्तरायणी को

प्रदर्शित किया।

पर्वतीय महापरिषद की तात्पर्य

के लिए वर्तमान अवसर के लिए

वृत्तचित्र में दिखा उत्तरायणी की

कौशिकी की विविधता और अन्य

विविधता ने उत्तरायणी को

प्रदर्शित किया।

पर्वतीय महापरिषद की तात्पर्य

के लिए वर्तमान अवसर के लिए

वृत्तचित्र में दिखा उत्तरायणी की

कौशिकी की विविधता और अन्य

विविधता ने उत्तरायणी को

प्रदर्शित किया।

पर्वतीय महापरिषद की तात्पर्य

के लिए वर्तमान अवसर के लिए

वृत्तचित्र में दिखा उत्तरायणी की

कौशिकी की विविधता और अन्य

विविधता ने उत्तरायणी को

प्रदर्शित किया।

पर्वतीय महापरिषद की तात्पर्य

के लिए वर्तमान अवसर के लिए

वृत्तचित्र में दिखा उत्तरायणी की

कौशिकी की विविधता और अन्य

विविधता ने उत्तरायणी को

प्रदर्शित किया।

पर्वतीय महापरिषद की तात्पर्य

के लिए वर्तमान अवसर के लिए

वृत्तचित्र में दिखा उत्तरायणी की

कौशिकी की विविधता और अन्य

विविधता ने उत्तरायणी को

प्रदर्शित किया।

पर्वतीय महापरिषद की तात्पर्य

के लिए वर्तमान अवसर के लिए

वृत्तचित्र में दिखा उत्तरायणी की

कौशिकी की विविधता और अन्य

विविधता ने उत्तरायणी को

प्रदर्शित किया।

पर्वतीय महापरिषद की तात्पर्य

के लिए वर्तमान अवसर के लिए

वृत्तचित्र में दिखा उत्तरायणी की

कौशिकी की विविधता और अन्य

विविधता ने उत्तरायणी को

प्रदर्शित किया।

पर्वतीय महापरिषद की तात्पर्य

के लिए वर्तमान अवसर के लिए

वृत्तचित्र में दिखा उत्तरायणी की

कौशिकी की विविधता और अन्य

विविधता ने उत्तरायणी को

प्रदर्शित किया।

पर्वतीय महापरिषद की तात्पर्य

के लिए वर्तमान अवसर के लिए

वृत्तचित्र में दिखा उत्तरायणी की

कौशिकी की विविधता और अन्य

विविधता ने उत्तरायणी को

प्रदर्शित किया।

पर्वतीय महापरिषद की तात्पर्य

के लिए वर्तमान अवसर के लिए

वृत्तचित्र में दिखा उत्तरायणी की

कौशिकी की विविधता और अन्य

विविधता ने उत्तरायणी को

प्रदर्शित किया।

पर्वतीय महापरिषद की तात्पर्य

के लिए वर्तमान अवसर के लिए

वृत्तचित्र में दिखा उत्तरायणी की

कौशिकी की विविधता और अन्य

विविधता ने उत्तरायणी को

प्रदर्शित किया।

पर्वतीय महापरिषद की तात्पर्य

के लिए वर्तमान अवसर के लिए

